ये अव्यक्त इशारे

स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा योग की शक्तियों का प्रयोग करो

23-10-2025

जैसे वाणी की प्रैक्टिस करते-करते वाणी के शक्तिशाली हो गये हो, ऐसे शान्ति की शक्ति के भी अभ्यासी बनते जाओ। आगे चल वाणी वा स्थूल साधनों के द्वारा सेवा का समय नहीं मिलेगा। ऐसे समय पर शान्ति की शक्ति के साधन आवश्यक होंगे क्योंकि जितना जो महान् शक्तिशाली होता है वह अति सूक्ष्म होता है। तो वाणी से शुद्ध-संकल्प सूक्ष्म हैं इसलिए सूक्ष्म का प्रभाव शक्तिशाली होगा।

Experiment on yourself and others with your mind with the powers of yoga.

Just as by practising speaking you have become powerful with words, in the same way, continue to become experts in the power of silence. As you progress further, you will not have time to serve with words or physical facilities. At such a time, the facilities of the power of silence will be necessary because, to the extent that someone is very powerful, so that person is also extremely subtle. Pure thoughts are subtler than words. Therefore, the impact of something subtle will be more powerful.